## Lecture on Luminescence and its application (15 January 2020)

On 15 January a lecture on Luminescence and its application was organized by Physics Department by one of our college Laurel Dr. Vikas Dubey , Assistant Professor, BIT Raipur along with Dr. Ramkrishna Mishra, Vice principal, BIT Raipur and Dr. Manish Kumar Mishra, Head of Department (Mechanical ) BIT Raipur. Dr. Vikas Dubey interacted with students and explained luminescence and it's several types. He also told how rate of LED's could get reduced. While explaining the generation of light, he specifically explained the importance of LEDs. He showed some of the latest research on Luminescence by the world scientist and the contribution of Indian scientistalong with other scientist who has been a major part of these projects.



He also showed and explained some of his ongoing research projects funded by DST and UGC. Research is a tool for development and offering education. Students asked several questions such luminescence and it's applications, related to its process, about research on actinides, about chromaticity and it's variations, about doping level and elements participate in it etc. In this program Dr. Jagjeet Kaur Saluja, Dr. R.S Singh, Dr. Anita Shukla,

Mrs. SiteshwariChandrakar,Dr. Abhishek Misra and research scholars Neeraj Verma, Dr. Neha Dubey, Teerath Sinha were present. Stage has been conducted by M.Sc. final student Pratiksha Tiwari and vote of thanks By M.Sc. second semester student Aditi Singh.

## List of Participants are given below

- 1. DR PURNA BOSE
- 2. DR JAGJEET KAUR SALUJA
- 3. DR ANITA SHUKLA
- 4. DR R S SINGH
- 5. SITESHWARI CHANDRAKAR
- 6. DR ABHISHEK KUMAR MISRA
- 7. DR SWAGATA
- 8. DR NEHA TIWARI
- 9. CHANDRA SHEKHAR
- 10.NEERAJ
- 11.SHRUTI
- 12.AASTHA SWARNKAR
- 13.AJAY KUMAR SEN
- **14.ANANT KUMAR**
- 15.BHANUPRAKASH
- 16.DOMESHWARI
- 17.DOMINLATA
- 18.GEETANJALI
- 19.LAXMIPRASAD MISHRA
- 20.LEENA SUDHAKAR
- 21.LUBNA KHAN
- 22.NIKITA USHARE
- 23.PAYAL
- 24.PRATIKSHA TIWARI
- 25.PRIYANKA DEWANGAN
- **26.RITESH MESHRAM**
- 27.ROHIT EKKA
- 28.ROHIT KUMAR
- 29.ROSHAN KUMAR
- 30.SONAL DHIWAR
- 31.SURBHI SHARMA
- 32.TUSHAR SAHU
- 33.USHA YADAV
- 34. VIMAL KUMAR
- 35.ADITI SINGH KSHATRI

- **36.AKARSHIT BARANWAL**
- 37. ANCHAL BHAVE
- 38.BHARTI SINHA
- 39.BHAVANA SINHA
- 40.CHAKENDRA
- 41.CHETNA DESHMUKH
- 42.HOMESHWARI SAHU
- 43.MANISH KUMAR
- 44.MEGHA KUMARI SARTHI
- 45.MITHLESH VERMA
- 46.MUKTI VARMA
- 47.OJASVI VARMA
- 48.PRINCE KUMAR KUSHWAHA
- 49.RANJANA SAHU
- **50.RATNESH DHRUW**
- **51.RAVI SONBOIR**
- 52.RAVISHANKAR ARMO
- 53.RUPALI JOSHI
- 54.SAMTA SALECHA
- 55.SUBHASHINI THAKUR
- 56.SURYA PRAKASH TIWARI
- 57. VEDIKA RANI VERMA
- 58. VIMAL KUMAR SINHA
- 59.TIRATH
- 60.DHANESH

## विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच और शोध के लिए किया प्रेरित

दुर्ग (बि.)। किल्नाथ रातन तामकर रवातकोलर स्थातको महाविद्यालय में बुरुवर को आईक्यूप्सी व भौतिक शास्त्र विधान द्वारा अतिथि व्यस्त्राम का आयोजन किया नवा। व्यस्त्राम में मुख्यकता यो जाइटी रायपर के विषय

मुख्यमा चन्ना प्रमुख विशेषत जॉ. विकास दुवे थे। जॉ. विकास दुवे में विशार्थियों को लुमिनिस्केर आधारभूत य इसकी उपयोगित को जोरे में किस्तर से वताया। लुमिन्सेन्स (संद्रीपि) विसीपदार्थ हरा प्रकार का सहज उत्सर्थन होता है जे न में से उत्पन्न नहीं होता है। लु मिनसेस के प्रकार तथा इसकी चारों में डिप्टों के को में वताया।

प्रथमधीरी में लालदेन तथ अंगेसीन

विद्यार्थियों को शोध से जुड़ते के लिए इंदिन किया। ताकि भावन्य में हम में से कोईएसरन जेस, सर लोवीरमन, एपीवे अब्दुल कलाम, होमी जहांगर धाया, का सके।

वर्तमान में कोई विसाधी विचान जी प्रवति के तारे में नहीं सोच रहा है। उन्होंने विकासियों को जीय के लिए चाइना तथ नापन का उद्धारण देते तुए कहा वि क्याहर विद्यार्थी की सोच नई देवनोलों जे या नये अधिकार की और होती है। एमएसमें प्रथम और जुड़ीय सेमेस्टर पीतिक राप्तव के विद्यार्थियों ने प्रश्नों की युक्तकर अपनी विद्यास्त्रओं का समाधान fazze

विकास समाज में सहस्वपूर्ण ज्ञीयका से जाने बाने दिज्योवें, द्वेतीय पेंडी में विश्वा चलाताहै। आई बहुत्सी संवेजक विद्वा करव, तृतीय पेंडी में सीरफारल व्हें. जगवीत और संस्तृता ने काव्य इस व जेतुओं बीडी में एल्ड्रिज़े, ओएल्ड्रिज़े ल्वास्थान का मुख्ये अंद्रेशविद्यार्थिये को तमें में बताया। डी. विकास दुवे ने की शीध करने की उपवेगिता राधा नयी



कि वर्षाय करव तामरक र महाविद्यालय में व्याख्यार देते करता और अन्य प्रतिभागी । 🛎 नईदुनिया

तक्तीक को जनमें के लिए आयोजित क्रिया गया। इससे कुठ विद्यार्थी धनिष्य में शोध की और अपने कदम बद्धप्र। वर्तमान समयमें तो विद्यार्थी नवे अन्वेषण कोर्न वे ही उन्तरि के पश्च मर आमार

होते।प्राचार्य झं, अस्प्लस्थिते कहा कि बर्तमान समय मैंप्याल सम्बार द्वारा चूतन अवेवणको बहुत प्रोत्सहनदिया जारता हैं इस वातावरण का विद्यावित्रों की लाध उठाना चाहिए। इस दौरान डॉ. अनिता

जुक्ता, दॉ बचानर, वॉ.अश्लेक मिश्र, वॉ.नेहर गिवरी, नेप्रत वर्गा, गिल्ब सिला, वॉ. मनीय मिया, हों. श्रीकांत मिश्रात अन्य

## वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहन देने से ही देश की तरक्की

हरियांकि वयुज भरदर्श

गुरुवार को रहसकीर विश्वनाथ चादव त्रमस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में आईक्कूर्सी तथा औतिक शास विभाग द्वारा आमीत्रेत व्याखवान का आयोजन किया ग्या। बीआईटी रावपुर के डॉ. विकास दुधे ने विशेषज्ञ के तौर पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम का सन्धालन करते हुए एमएससी ततीय संसंस्टर भौतिक शास्त्र की प्रतिधा तिवारी ने डॉ. विकास दुवे का संक्षित परिचय दिया। डॉ. दुवे ने विकार्ययों को लुम्मिन्सस अत्रधारभूत तथा इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। लुम्मिनसेस (संदीप्त) किसी पदार्थ द्वारा प्रकाश का सहज उत्सर्जन होता है जो गर्मी से उत्पन्न नहीं होता। उन्होंने लुमिनिसेन्स के प्रकार तथा इसकी चारों पीड़ियों के बारे में बताया। प्रथम पीढ़ी में लालटेन तथा केरोसीन से जलने वाली दिवरी, जेसी बोस जैसा यन सके। उन्होंने कहा कि जिस

हिलीन पीढी में विद्युत बल्च, तृतीय पीडी में सीएफरल तथा चतुर्व पीठी में ए ल ई डी , ओएलईडी के बारे में बताया। उन्होंने कड़ा कि इर पीड़ी के साथ प्रदूषण कम होता गया।

उन्होंने लुमिनिसेन्स पर हुए भौतिक शास्त्र विभाग में कुछ नवीनतम शोध तथा नंदीचित एवं उसकी एलईडों की खावत कम करने के तपाय पर चर्चा की। डॉ. दुवे ने विद्याचियों को शोध से जुड़ने प्रेरित किया लॉक भजिया में एसएन - उदाहरण देते हुए कहा कि वहां हर विद्यार्थी की यास, सीचे रमन, एपीजे अब्दुल कलान, होंगी - सोच नई टेक्नोलॉजी या नए अविषकार की

उपयोगिता पर आमंत्रित व्याख्यान

वर्तमान में कोई विद्यार्थी विज्ञान की प्रवति के बारे में नहीं सोच रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध के लिए चाइना तथा जापान का

प्रकार सचिन तेंदुलकर की जगह विराट कोहली

ने ले ली, उसी प्रकार

अय तक कोई इन भारतीय वैज्ञानिकों को

जनह बबी नहीं से पाया।

उन्होंने बताया आज की

पीढी का झुकान केवल मक्तिय की ओर है तथा

ओर होती है। इसके साथ ही उन्होंने विदेश में शोध करने की संभावनाओं के बारे में बताबा कि किस प्रकार हम चंधाग कोरिया, चंधाग आसीका में शोध वार्च कर सकते हैं।

आइंक्यूएसी संयोजक डॉ. जगजीत कौर सल्जा ने बताया कि व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध करने की उपयोगिता तथा नई तकनीक से अवगत कराना था। प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारत सरकार द्वारा नूतन अन्वेषण को प्रोत्साहन दिवा जा रहा है जिसका लाभ विद्याधियों को उठाना पातिए। धन्यवाद ज्ञापन एमएससी प्रथम संगेरदर की अदिति सिंह ने किया। कार्यक्रम में हाँ अनिता गुक्ता, डॉ आरएस सिंह, सीतेश्वरी चंद्राकर, डॉ ऑड्रापेक मिश्रा, डॉ नेहा तिवारी, गीरज वर्मा, तीरव सिन्हा, डॉ. मनीष मिश्रा, डॉ. श्रीकान्त मिल्रा के साथ बड़ी संख्या में डाप्र-खात्राएं उपस्थित थे।